लेव वायगोत्स्की (Lev Vygotsky) का **सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (Socio-Cultural Theory)** पियाजे के सिद्धांतों का एक बहुत ही प्रभावशाली विकल्प है। जहाँ पियाजे ने बच्चे की "जैविक परिपक्वता" पर जोर दिया, वहीं वायगोत्स्की का मानना था कि विकास का असली इंजन **सामाजिक बातचीत (Social Interaction)** और **संस्कृति** है।

वायगोत्स्की के अनुसार, बच्चा समाज के साथ मिलकर अपनी समझ बनाता है। उनके सिद्धांत के तीन सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ यहाँ दिए गए हैं:

---

1. सामाजिक अंतःक्रिया (Social Interaction)

वायगोत्स्की ने कहा कि बच्चे का संज्ञानात्मक विकास पहले "सामाजिक स्तर" (दूसरों के साथ) पर होता है और फिर "व्यक्तिगत स्तर" (अंदरूनी) पर। उनके अनुसार, भाषा और विचार का विकास समाज के साथ संवाद करने से शुरू होता है।

---

2. ZPD (Zone of Proximal Development - समीपस्थ विकास का क्षेत्र)

यह वायगोत्स्की के सिद्धांत की सबसे प्रसिद्ध अवधारणा है।

- **ZPD क्या है?** यह उस अंतर को कहते हैं जो बच्चा **खुद से कर सकता है** और जो वह **किसी विशेषज्ञ की मदद से कर सकता है**।
- उदाहरण के लिए, एक बच्चा पहेली (Puzzle) के कुछ टुकड़े खुद जोड़ लेता है, लेकिन पूरी पहेली हल करने के लिए उसे अपने पिता की थोड़ी सी मदद चाहिए। वह जो मदद के साथ कर सकता है, वही उसका 'ZPD' है।

---

3. स्कैफोल्डिंग (Scaffolding - मचान या पाड़)

स्कैफोल्डिंग वह **अस्थायी सहायता (Temporary Support)** है जो शिक्षक या माता-पिता बच्चे को तब देते हैं जब वह ZPD में होता है।

- जैसे-जैसे बच्चा कार्य सीखने लगता है, यह सहायता धीरे-धीरे कम कर दी जाती है।
- **उदाहरण:** बच्चे को साइकिल चलाना सिखाते समय शुरुआत में पीछे से पकड़ना और फिर धीरे-धीरे छोड़ देना।

---

4. अधिक जानकार अन्य (MKO - More Knowledgeable Other)

MKO वह व्यक्ति है जिसके पास सीखने वाले की तुलना में किसी विशेष कार्य, प्रक्रिया या अवधारणा की बेहतर समझ या उच्च क्षमता स्तर है।

- यह जरूरी नहीं कि केवल शिक्षक या माता-पिता हों; कभी-कभी बच्चा अपने किसी दोस्त (Peer) से भी सीख सकता है जो उस विषय में उससे बेहतर हो।

---

5. भाषा और निजी भाषण (Language & Private Speech)

वायगोत्स्की के अनुसार, भाषा संज्ञानात्मक विकास का सबसे शक्तिशाली उपकरण है।

- **निजी भाषण (Private Speech):** आपने देखा होगा कि बच्चे अक्सर खेलते समय खुद से बातें करते हैं। पियाजे ने इसे 'अहंकारिता' कहा था, लेकिन वायगोत्स्की ने इसे **"आत्म-मार्गदर्शन" (Self-guidance)** माना। बच्चा खुद से बात करके अपने विचारों को व्यवस्थित करता है।

शिक्षा में वायगोत्स्की का प्रभाव

आजकल स्कूलों में जो **'Group Work' (समूह कार्य)** और **'Peer Tutoring'** (साथियों से सीखना) को बढ़ावा दिया जाता है, वह वायगोत्स्की के सिद्धांत की ही देन है। शिक्षक अब केवल भाषण नहीं देते, बल्कि एक 'सुविधाप्रदाता' (Facilitator) के रूप में बच्चे के ZPD में उसकी मदद करते हैं।